पहले दिन से ही 50 मिलियन टन कार्गो का होगा आयात-निर्यात

दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट से दबाव कम करेगा नोएडा एयरपोर्ट, एनसीआर के उद्योगों को मिलेगा लाभ

माई सिटी रिपोर्टर

ग्रेटर नोएडा। जेवर में बन रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहले दिन से ही करीब 50 मिलियन टन कार्गो का आयात और निर्यात होगा। इससे दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर कार्गो फ्लाइट का अतिरिक्त दवाब कम हो जाएगा। साथ ही नोएडा, ग्रेनो, गाजियाबाद, बुलंदशहर समेत आसपास के उद्योगों को भी लाभ मिलेगा।

उनका सामान दिल्ली नहीं जाएगा। कम समय में उन तक पहुंचेगा। यमुना प्राधिकरण के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने बताया, एयरपोर्ट पर पहले दिन से ही घरेलू, इंटरनेशनल के साथ ही कार्गो फ्लाइट भी शुरू होंगी। दिल्ली आईजीआई से प्रतिदिन मशीन पार्ट्स 36 प्रतिशत, गारमेंट्स 16 प्रतिशत, इलेक्ट्रिकल 14 प्रतिशत, लेदर चार प्रतिशत, दवा तीन प्रतिशत और अन्य सामान 21 प्रतिशत तक विदेशों में निर्यात होता है। जबकि आयात में इलेक्ट्रिकल व इलेक्ट्रानिक्स 65 प्रतिशत, दवा 15 प्रतिशत व अन्य सामान सामा 16 प्रतिशत है। घरेलू स्तर पर आईजीआई से कॉरियर 60 प्रतिशत, मशीन पार्ट्स 20 प्रतिशत और गारमेंट्स का 10 प्रतिशत समेत 10 प्रतिशत अन्य सामान का आयात-निर्यात होता है।

अगले सप्ताह डीजीसीए को जाएगा ट्रायल का डाटा

ग्रेटर नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर वैलिडेशन फ्लाइट का डेटा सोमवार तक डीजीसीए को भेजा जाएगा। ट्रायल की रिपोर्ट तैयार कर ली गई है। जिसके बाद एयरोड्रोम लाइसेंस के लिए आवेदन किया जाएगा। इसकी प्रक्रिय 31 दिसंबर तक पूरी करनी होगी। नोएडा एयरपोर्ट पर 9 दिसंबर को कॉमर्शियल विमान की सफल लैंडिंग की गई। अफसरों ने दावा किया कि पहली बार में ही ट्रायल सफल रहा हैं। जबकि अन्य एयरपोर्ट पर कई बार ट्रायल होते हैं। एयरोड्रम लाइसेंस के लिए यह जरूरी था। लाइसेंस मिलने के बाद ही कॉमर्शियल फ्लाइट शुरू होंगी। इंडिगो एयरलाइंस के एयरबस ए-320 कॉमर्शियल विमान वीटी-आईएफआई ने रनवे पर पहली लैडिंग की है। विमान ने करीब 25 मिनट तक हवा में आईएलएस व अन्य उपकरणों की जांच की। एयर ट्रैफिक कंट्रोलर से समन्वय स्थापित कर रनवे पर सफल लैंडिंग की थी। इसका रिकॉर्ड तैयार कर लिया गया हैं। ब्यूरो